दैनिक जागरण कानपुर 21/01/2022

बीजों का अंकुरण करें किसान

कानपुर : सीएसए विवि के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष प्रो. एएल जाटव ने जायद फसलों की बुवाई से पहले बीजों के अंकुरण की घरेलू विधियों की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि बीज को सुबह पानी में भिगोएं और शाम को पानी से निकालकर दो घंटे तक अखबार के कागज पर रखकर सुखाएं। दो घंटे बाद गुनगुनी राख में बीजों को अच्छी तरह मिलाकर अखबार में लपेटकर कपड़े से बांध पोटली बना लें। पोटली को सोते समय रजाई में रखें। जास

वर्ष 16 अंक 21 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शुक्रवार 21 जनवरी 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

जायद फसलों के बीजों की अंकुरण परीक्षण हेतु घरेलू विधि : प्रोफ़ेसर ए. एल.जाटव

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ए एल जाटव ने जायद फसलों की बुवाई के पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण की घरेलू विधियों के बारे में एडवाइजरी जारी की है। प्रोफेसर जाटव ने बताया कि बीज को सुबह 10:00 बजे पानी में भिगो दें शाम को 6:00 बजे पानी से निकालकर 2 घंटे अखबार के कागज पर रखकर सुखा दें। तत्पश्चात सायं 8:00 बजे गुनगुनी राख में बीजों को अच्छी तरह मिलाकर अखबार में लपेट

कर कपड़े से बांधकर पोटली बना लें। प्रोफ़ेसर जाटव ने बताया कि इस पोटली को सोते समय रजाई में अपने साथ रखें। सुबह तक बीज अंकुरित हो जाएंगे। अंकुरित बीजों को गिनकर प्रतिशत की गणना कर लेते हैं। उन्होंने बताया कि यदि बीज 80 से 90% तक अंकुरित हो तो ये अच्छे हैं यदि बीज का अंकुरण प्रतिशत 60 से 70% तक है तो बुवाई के समय बीज की मात्रा बढ़ाएं और अंकुरण 50% से कम है तो फिर बीज बदल दें। ताकि किसानों को फसल में नुकसान का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि उचित अंकुरण पाए जाने पर ही बुवाई कर फसल अच्छी, समरूपी एवं अगेती तैयार होगी। जिसका बाजार में उच्च विक्रय दर प्राप्त होगा तथा किसानों को लाभ होगा।

Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

WORLD
खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

गुरुवार, 20-01-2022 अंक-20
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

बीजों के उचित अंकुरण पर ही अच्छी होगी फसल

बीजों के अंकुरण को लेकर सीएसए के प्रोफेसर ने जारी की एडवाइजरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एएल जाटव ने जायद फसलों की बुवाई के पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण की घरेलू विधियों के बारे में एडवाइजरी जारी की है।

प्रोफेसर जाटव ने बताया कि बीज को सुबह 10:00 बजे पानी में भिगो दें। शाम को 6:00 बजे पानी से निकालकर दो घंटे अखबार के कागज पर रखकर सुखा दें। इसके बाद रात 8:00 बजे गुनगुनी राख में बीजों को अच्छी तरह मिलाकर अखबार में लपेट कर कपड़े से बांधकर पोटली बना लें। प्रोफेसर जाटव ने बताया कि इस पोटली को सोते समय रजाई में अपने साथ रखें। सुबह तक बीज

अंकुरित हो जाएंगे।

अंकुरित बीजों को गिनकर प्रतिशत की गणना कर लेते हैं। उन्होंने बताया कि अगर बीज 80 से 90 प्रतिशत तक अंकुरित हों तो वे अच्छे हैं। अगर बीज का अंकुरण प्रतिशत 60 से 70 तक है तो बुवाई के समय बीज की मात्रा बढ़ाएं और अंकुरण 50 प्रतिशत से कम है तो फिर बीज बदल दें। ताकि किसानों को फसल में नुकसान का सामना न करना पड़े।

उन्होंने बताया कि उचित अंकुरण पाए जाने पर ही बुवाई कर फसल अच्छी, समरूपी एवं अगेती तैयार होगी। जिसकी बाजार में उच्च विक्रय दर प्राप्त होगी तथा किसानों को लाभ होगा।

Sign in to edit and save changes to this file.

-323 कानपुर, शुक्रवार 21 जनवरी 2022 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, बहराइच में प्रसारित

बुवाई के पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण की घरेलू विधियों के बारे में एडवाइजरी जारी

आज का कानपुर

कानपुर।सीएसए के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ए एल जाटव ने जायद फसलों की बुवाई के पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण की घरेलू विधियों के बारे में एडवाइजरी जारी की है प्रोफेसर जाटव ने बताया कि बीज को सुबह 10ः00 बजे पानी में भिगो दें शाम को 6ः00 बजे पानी से निकालकर 2 घंटे अखबार के कागज पर रखकर सुखा दें तत्पश्चात सायं 8ः00 बजे गुनगुनी राख में बीजों को अच्छी तरह मिलाकर अखबार में लपेट कर कपड़े से बांधकर पोटली बना लें प्रोफ़ेसर जाटव ने बताया कि इस पोटली को सोते समय रजाई में अपने साथ रखें सुबह तक बीज अंकुरित हो जाएंगे अंकुरित बीजों को गिनकर प्रतिशत की गणना कर लेते हैं उन्होंने बताया कि यदि बीज 80 से 90त्न तक अंकुरित हो तो वे अच्छे हैं यदि बीज का अंकुरण प्रतिशत 60 से 70त्न तक है तो बुवाई के समय बीज की मात्रा बढ़ाएं और अंकुरण 50त्न से कम है तो फिर बीज बदल दें ताकि किसानों को फसल में नुकसान का सामना न करना पड़े उन्होंने बताया कि उचित अंकुरण पाए जाने पर ही बुवाई कर फसल अच्छी, समरूपी एवं अगेती तैयार होगी जिसका बाजार में उच्च विक्रय दर प्राप्त होगा तथा किसानों को लाभ होगा।

वैक्सीनेशन से